|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
| De :  | SLR <slr@rcs-associes.com>  |
| Objet :  | <Sans objet> |
| À :  | 'Richard Bouskila' <bouskilabillion@free.fr>  |

 |

|  |
| --- |
| mer., 24 sept. 2014 19:27  |
| [1 pièce jointe](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&action=rowView#attachments)  |

 |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| [Répondre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&paction=view&action=compose&rf=text&op=reply)  |  | [Rép. à tous](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&paction=view&action=compose&rf=text&op=replyAll)  |  | [Faire suivre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&id=195946&paction=view&action=compose&rf=text&op=forward)  |  | [Imprimer](http://zimbra.free.fr/h/printmessage?id=195946&1)  |

 |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

 |

 |
| Cher Monsieur, Vous avez raison, mes honoraires représentent une dépense conséquente. Par ailleurs vous avez déjà un avocat et je ne saisis pas l’intérêt pourvous d’un second avocat. Je comprends de votre dernier mail que vous n’avez pas les fonds nécessairesà mon intervention dans votre dossier et que même si vous parveniez à payerla première provision, vous ne serez pas en mesure de payer la suivante. Vous comprendrez dans ces conditions que je ne peux accepter de vous voirvous endetter pour payer mes honoraires ni que je peux accepter que vous medonniez « tout » ce que vous avez. Ce n’est pas comme cela que je conçois lerôle de l’avocat. Dès le premier mail, je vous ai fait part de mes conditions. Je ne leschangerai pas.  En revanche, vous-même devez comprendre que toute peine mérite salaire etque c’est moi qui fixe les conditions dans lesquelles j’accepte un dossier. Par ailleurs, je refuse d’avoir des clients qui estiment pouvoir m’écriredes phrases comme : « vous vous rendez compte de combien vous demandez ? ….Vous croyez que ça se ramasse par terre ? » Dans ces conditions, je refuse votre dossier. Cordialement    Sophie-Laurence ROY-CLEMANDOTAvocat à la Cour  RCS & Associés66 rue de la Pompe75116 PARIS01 45 04 26 26 – Fax 01 45 04 47 80[www.rcs-associes.com](http://www.rcs-associes.com/)

|  |  |
| --- | --- |
|  | **image003.png**17 ko  [Afficher](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=195946&part=2&auth=co&disp=i)  [Télécharger](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=195946&part=2&auth=co&disp=a)  |

 |

 |

 |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| [Actualiser](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?st=message)  |  | [Rédiger](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=8&so=25&sc=290272&st=message&paction=rowView&action=compose)  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

 |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
| De :  | SLR <slr@rcs-associes.com>  |
| Objet :  | <Sans objet> |
| À :  | 'Richard Bouskila' <bouskilabillion@free.fr>  |

 |

|  |
| --- |
| jeu., 25 sept. 2014 11:22  |
| [1 pièce jointe](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&action=view#attachments)  |

 |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| [Répondre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&paction=view&action=compose&rf=text&op=reply)  |  | [Rép. à tous](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&paction=view&action=compose&rf=text&op=replyAll)  |  | [Faire suivre](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0&sc=290272&st=message&id=196021&paction=view&action=compose&rf=text&op=forward)  |  | [Imprimer](http://zimbra.free.fr/h/printmessage?id=196021&1)  |

 |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |

 |

 |
| Monsieur, Vous signez une convention qui précise que les honoraires sont payables parprovision et vous râlez que je n’ai pas travaillé alors que je n’ai pas reçula provision ! Vous prétendez l’avoir payée et vous accusez ma secrétaire de l’avoir ?perdue ? détournée ? C’est inacceptable. Comme je vous l’indiquais hier : 1 - je ne peux accepter de vous voir vous endetter pour payer meshonoraires. Ce n’est pas comme cela que je conçois le rôle de l’avocat.2 – je n’ai pas convenance à travailler pour un client qui n’envisage pas detenir ses engagements.  Il est inutile que cette conversation se poursuive. Il y a plus de 20.000avocats à Paris. Vous en avez déjà un autre que moi. Si vous tenez vraiment à avoir plusieurs avocats, vous en trouverezd’autres. Quant à moi, je vous répète que je ne veux pas de votre dossier. Cordialement   Sophie-Laurence ROY-CLEMANDOTAvocat à la Cour  RCS & Associés66 rue de la Pompe75116 PARIS01 45 04 26 26 – Fax 01 45 04 47 80[www.rcs-associes.com](http://www.rcs-associes.com/)

|  |  |
| --- | --- |
|  | **image003.png**17 ko  [Afficher](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=196021&part=2&auth=co&disp=i)  [Télécharger](http://zimbra.free.fr/service/home/~/?id=196021&part=2&auth=co&disp=a)  |

 |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| [Retour à Boîte de réception](http://zimbra.free.fr/zimbra/h/search?si=0&so=0)  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

 |

 |